

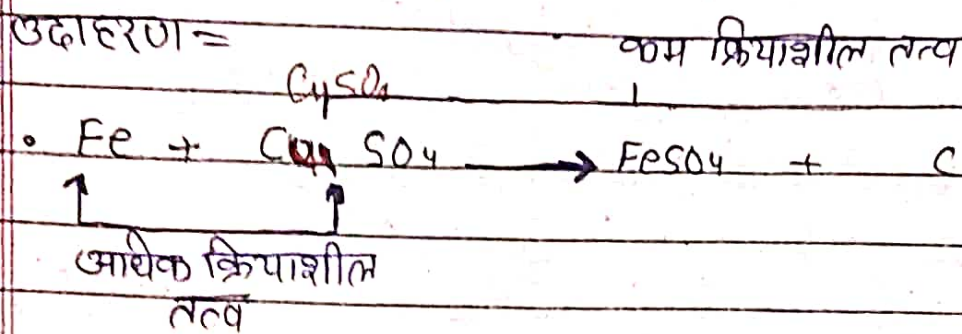
नाम मनतशा खातुण

Class \Rightarrow पा॥

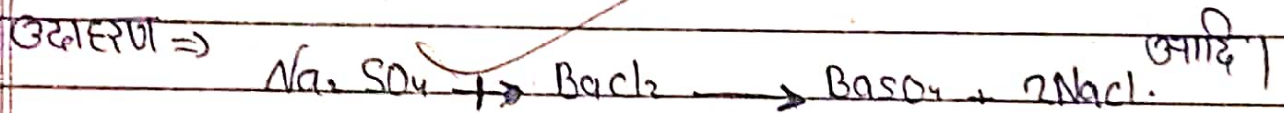
Date \Rightarrow 22/07/23

1. उत्तर \Rightarrow विस्थापन एवं द्विविस्थापन अभिक्रिया में निम्न अंतर हैं -
 विस्थापन अभिक्रिया \Rightarrow ऐसा अभिक्रिया जिसमें अधिक क्रियाशील तत्व अपने से कम क्रियाशील तत्व को विस्थापित करता है और एक नये पदार्थ का निर्माण करता है।

(5)



द्विविस्थापन अभिक्रिया = ऐसा अभिक्रिया जिसमें दो या दो से अधिक अभिकारक अपने आयनों का आदान-प्रदान कर नये उत्पाद का निर्माण करता है।

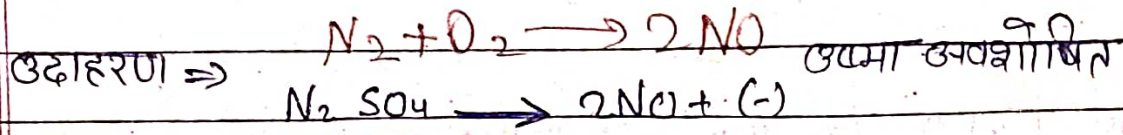


3. उत्तर \Rightarrow उष्माक्षेपी एवं उष्माशोषी अभिक्रिया का निम्न अर्थ है -
 उष्माक्षेपी अभिक्रिया = जिन अभिक्रियाओं के उत्पाद के निर्माण के साथ उष्मा भी उत्पन्न होता है उन्हें उष्माक्षेपी अभिक्रिया कहते हैं।

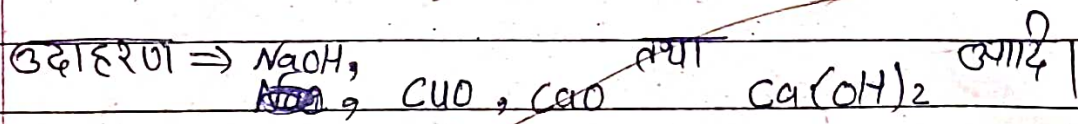
(11.5)



उष्माक्षोपी अभिक्रिया \Rightarrow जिन अभिक्रिया में उर्जा अवशोषित होती है
उन्हे उष्माक्षोपी अभिक्रिया कहते हैं।



5. उत्तर \Rightarrow क्षारक वह पदार्थ है जिसका स्वाद कड़वा होता है तथा जो लाल लिटमस पत्र को नीला कर देता है इसका जलीय विलयन में (OH^-) आयन देते हैं तथा अम्ल से अभिक्रिया लवण बनाता है।



7. उत्तर \Rightarrow सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट का दो उपयोग
सोडा अम्ल अग्निशामक में किया जाता है।

5. सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट एंटीसिड का संघटक है। क्षारीय होने के कारण यह पेट में अम्ल की अधिकता को उदासीन कर रहत पहुँचाता है।

धौबिया सौडा एवं बैकिंग सौडा में निम्न अंतर हैं -

Date _____

Page _____

| उत्तर 9. | धौबिया सौडा | बैकिंग सौडा |
|----------|--|---|
| (5) | (i) धौबिया सौडा का रासायनिक सूत्र Na_2CO_3 है। | (i) बैकिंग सौडा का रासायनिक सूत्र NaHCO_3 है। |
| | (ii) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग कांच, साबुन एवं कागज के उद्योगों में होता है। | (ii) इसका उपयोग धरो में पावरोटी बनाने में होता है। |
| | (iii) जल की स्थायी कठोरता को दूर करने में इसका उपयोग होता है। | (iii) इसका उपयोग सौडा, अम्ल आग्निशामक में किया जाता है। |

उत्तर 10. अम्लों की हमारे जीवन में हानियाँ -

- (5) (i) ये सजीव कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं।
- (ii) सान्द्र अम्ल त्वचा और कोमल अंगों को जंभीर क्षति पहुँचाते हैं।
- (iii) कुछ खाद्य पदार्थ को खराब कर देता है।